CBSE कक्षा 6 हिंदी व्याकरण वर्कशीट

अनुच्छेद लेखन (Paragraph Writing)

1. प्रार्थना

प्रार्थना का अर्थ है ईश्वर के प्रति श्रद्धा और विनम्रता से अपने मन के भाव व्यक्त करना। प्रतिदिन विद्यालय में सामूहिक प्रार्थना से हमारे मन में अनुशासन और एकता की भावना जागृत होती है। प्रार्थना करने से मन शांत होता है और बुरे विचार दूर होते हैं। यह हमें सच्चाई, करुणा और नम्रता का पाठ पढ़ाती है। सुबह प्रार्थना करने से पूरे दिन सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है। हमें प्रतिदिन नियमित रूप से प्रार्थना अवश्य करनी चाहिए, क्योंकि यह हमारे जीवन को अनुशासित और सुखमय बनाती है।

2. परोपकार

दूसरों की भलाई करना ही परोपकार कहलाता है। जो व्यक्ति बिना किसी स्वार्थ के दूसरों की सहायता करता है, वह समाज में आदर पाता है। पेड़, नदी और सूर्य भी हमें बिना कुछ माँगे लाभ पहुँचाते हैं, इसलिए हमें भी उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। परोपकार से मन को संतोष मिलता है और समाज में प्रेम तथा भाईचारा बढ़ता है। हमें अपने आस-पास जरूरतमंद लोगों की मदद करनी चाहिए, चाहे वह गरीब हो, बीमार हो या दुखी। सच्चा परोपकार वही है जो बिना दिखावे के किया जाए। हमें बचपन से ही परोपकार की भावना अपनानी चाहिए।

3. समय का सदुपयोग

समय अनमोल है और एक बार बीता हुआ समय कभी वापस नहीं आता। जो विद्यार्थी अपने समय का सही उपयोग करते हैं, वे जीवन में सफल होते हैं। हमें पढ़ाई, खेल और आराम के लिए समय की योजना बनानी चाहिए। समय बर्बाद करने वाले व्यक्ति बाद में पछताते हैं। समय का सदुपयोग करने से आत्मविश्वास बढ़ता है और लक्ष्य

cbseclassworksheets.com

आसानी से प्राप्त होते हैं। महान लोगों ने समय का सम्मान करके ही सफलता पाई है। इसलिए हमें प्रतिदिन एक समय-सारणी बनाकर उसका पालन करना चाहिए।

4. मेरा प्रिय मित्र

मेरे प्रिय मित्र का नाम रोहन है। वह पढ़ाई में तेज़ है और सबकी सहायता करता है। हम दोनों साथ खेलते हैं, पढ़ते हैं और एक-दूसरे के सुख-दुख में साथ देते हैं। वह हमेशा सच बोलता है और अनुशासन में रहता है। संकट के समय वह मेरी सबसे पहले मदद करता है। उसकी अच्छी आदतों से मुझे भी बहुत कुछ सीखने को मिलता है। सच्चा मित्र वही है जो हर परिस्थिति में साथ निभाए। मुझे अपने मित्र पर गर्व है और मैं उसकी मित्रता को जीवनभर सहेज कर रखना चाहता हूँ।

5. मेरा प्रिय खेल

मेरा प्रिय खेल क्रिकेट है। यह खेल शारीरिक स्फूर्ति के साथ-साथ टीम भावना भी सिखाता है। मैं प्रतिदिन शाम को अपने दोस्तों के साथ क्रिकेट खेलता हूँ। इस खेल में बल्लेबाजी, गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण तीनों का महत्व है। क्रिकेट खेलने से मन प्रसन्न रहता है और तनाव दूर होता है। यह खेल अनुशासन, धैर्य और सहयोग की भावना विकसित करता है। भारत में क्रिकेट को बहुत पसंद किया जाता है और इसके खिलाड़ी युवाओं के आदर्श होते हैं। मुझे बड़ा होकर एक अच्छा क्रिकेट खिलाड़ी बनने की इच्छा है।

6. दीपावली

दीपावली हिंदुओं का सबसे प्रमुख त्योहार है, जो कार्तिक मास की अमावस्या को मनाया जाता है। यह पर्व भगवान राम के चौदह वर्ष के वनवास के बाद अयोध्या लौटने की खुशी में मनाया जाता है। इस दिन घरों को दीयों, रंगोली और रोशनी से सजाया जाता है। लोग नए वस्त्र पहनते हैं, मिठाइयाँ बाँटते हैं और लक्ष्मी-गणेश की पूजा करते हैं। यह त्योहार अंधकार पर प्रकाश की जीत का प्रतीक है। हमें इसे प्रदूषण

रहित तरीके से मनाना चाहिए और पटाखों के स्थान पर दीयों का प्रयोग करना चाहिए। दीपावली हमें खुशियाँ बाँटने की सीख देती है।

7. स्वतंत्रता दिवस

भारत में स्वतंत्रता दिवस प्रतिवर्ष 15 अगस्त को बड़े हर्षोल्लास से मनाया जाता है। इसी दिन 1947 में भारत को अंग्रेजों की गुलामी से आज़ादी मिली थी। इस दिन प्रधानमंत्री लाल किले पर तिरंगा फहराते हैं और राष्ट्र को संबोधित करते हैं। स्कूलों और सरकारी भवनों में भी झंडा फहराया जाता है तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। यह दिन हमें उन वीर स्वतंत्रता सेनानियों की याद दिलाता है जिन्होंने देश के लिए बलिदान दिया। हमें अपने देश पर गर्व होना चाहिए और इसकी स्वतंत्रता की रक्षा करने का संकल्प लेना चाहिए।

8. वर्षा ऋतु

वर्षा ऋतु का आगमन गर्मी की तपिश के बाद राहत लेकर आता है। आकाश में काले बादल छा जाते हैं और ठंडी हवा चलने लगती है। इस मौसम में पेड़-पौधे हरे-भरे हो जाते हैं और चारों ओर हरियाली छा जाती है। किसान इस मौसम की प्रतीक्षा करते हैं क्योंकि खेती के लिए वर्षा आवश्यक है। बच्चे बारिश में भीगकर आनंद लेते हैं और कागज़ की नावें बनाकर खेलते हैं। हालांकि अधिक वर्षा से बाढ़ जैसी समस्याएँ भी उत्पन्न होती हैं। फिर भी वर्षा ऋतु जीवन के लिए बहुत महत्वपूर्ण होती है क्योंकि यह जल स्रोतों को भरती है।

9. मेरा विद्यालय

मेरा विद्यालय शहर के मध्य में स्थित है और यह अपने अनुशासन तथा शिक्षा के स्तर के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ बड़ा खेल का मैदान, पुस्तकालय और विज्ञान प्रयोगशाला उपलब्ध है। मेरे शिक्षक बहुत स्नेह से पढ़ाते हैं और हमें अच्छे संस्कार भी देते हैं। विद्यालय में खेलकूद, सांस्कृतिक कार्यक्रम और वाद-विवाद प्रतियोगिताएँ भी आयोजित

cbseclassworksheets.com

होती हैं। यहाँ पढ़कर मुझे नई-नई बातें सीखने को मिलती हैं। मेरे विद्यालय का वातावरण स्वच्छ और मित्रवत है। मुझे अपने विद्यालय पर गर्व है और मैं वहाँ प्रतिदिन खुशी-खुशी जाता हूँ।

10. पुस्तकालय का महत्व

पुस्तकालय ज्ञान का भंडार होता है, जहाँ विभिन्न विषयों की पुस्तकें, पत्रिकाएँ और समाचार-पत्र उपलब्ध रहते हैं। पुस्तकालय में जाकर विद्यार्थी अपने पाठ्यक्रम के अतिरिक्त भी बहुत कुछ सीख सकते हैं। यह शांत वातावरण एकाग्रता से पढ़ाई करने में सहायक होता है। अच्छी पुस्तकें पढ़ने से हमारी शब्द-संपदा बढ़ती है और सोचने की क्षमता विकसित होती है। पुस्तकालय हमें महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा लेने का अवसर भी देता है। हर विद्यालय और शहर में एक अच्छे पुस्तकालय का होना आवश्यक है ताकि सभी को पढ़ने की आदत विकसित करने का अवसर मिल सके।

11. अनुशासन

अनुशासन का अर्थ है नियमों का पालन करते हुए जीवन जीना। अनुशासित व्यक्ति समय का सदुपयोग करता है और अपने कार्यों को व्यवस्थित ढंग से पूरा करता है। विद्यालय, घर और समाज में अनुशासन का पालन करना अत्यंत आवश्यक है। अनुशासनहीन व्यक्ति को जीवन में अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। सैनिक, खिलाड़ी और सफल व्यक्ति सभी अनुशासन के कारण ही ऊँचाइयों को छूते हैं। हमें बचपन से ही अनुशासित रहने की आदत डालनी चाहिए। अनुशासन से समाज में शांति और व्यवस्था बनी रहती है तथा व्यक्ति का चरित्र निर्माण होता है।

12. सच्चाई

सच्चाई सबसे बड़ा गुण है, जो व्यक्ति के चरित्र को उज्ज्वल बनाता है। सच बोलने वाला व्यक्ति समाज में सम्मान पाता है, भले ही उसे कुछ समय के लिए कठिनाई का सामना करना पड़े। झूठ बोलने से अस्थायी लाभ तो हो सकता है, परंतु अंततः

व्यक्ति का विश्वास खो जाता है। महात्मा गांधी ने सत्य के मार्ग पर चलकर ही देश को आज़ादी दिलाई। हमें कठिन परिस्थितियों में भी सच्चाई का साथ नहीं छोड़ना चाहिए। सच्चाई से मन को शांति मिलती है और आत्मविश्वास बढ़ता है। हमें अपने जीवन में हमेशा सत्य के मार्ग पर चलना चाहिए।

13. मेरी माँ

मेरी माँ मेरे जीवन की सबसे महत्वपूर्ण व्यक्ति हैं। वे प्रतिदिन सुबह जल्दी उठकर पूरे परिवार का ध्यान रखती हैं। वे मुझे अच्छे संस्कार सिखाती हैं और हर कठिनाई में मेरा साथ देती हैं। बीमार होने पर वे रात-रातभर जागकर मेरी देखभाल करती हैं। उनके प्यार और त्याग की कोई सीमा नहीं है। मेरी माँ मुझे सही-गलत के बीच फर्क करना सिखाती हैं और हमेशा मेहनत करने की प्रेरणा देती हैं। मैं अपनी माँ का बहुत सम्मान करता हूँ और उनके बताए मार्ग पर चलने का प्रयास करता हूँ। माँ के बिना जीवन अधूरा है।

14. मेरा प्रिय शिक्षक

मेरे प्रिय शिक्षक श्री शर्मा जी हैं, जो हमें हिंदी विषय पढ़ाते हैं। वे बहुत ही स्नेही और धैर्यवान स्वभाव के हैं। वे कठिन विषयों को भी सरल उदाहरणों द्वारा समझाते हैं। वे कक्षा में अनुशासन बनाए रखते हैं और हर विद्यार्थी पर समान ध्यान देते हैं। उनकी शिक्षण शैली इतनी रोचक है कि हम कभी बोर नहीं होते। वे हमें केवल पाठ्यपुस्तक ही नहीं बल्कि जीवन के मूल्यों की भी शिक्षा देते हैं। मैं अपने शिक्षक का सम्मान करता हूँ और उनकी तरह ही ज्ञानवान बनना चाहता हूँ।

15. विद्यार्थी जीवन

विद्यार्थी जीवन मनुष्य के जीवन का सबसे महत्वपूर्ण चरण होता है। इस अवस्था में विद्यार्थी को ज्ञान अर्जित करने के साथ-साथ अच्छे संस्कार भी सीखने चाहिए। इस समय में मेहनत और अनुशासन से भविष्य की नींव मजबूत होती है। विद्यार्थियों को

समय प्रबंधन, सच्चाई और परिश्रम जैसे गुण अपनाने चाहिए। बुरी संगत से दूर रहकर अच्छी आदतें अपनाना आवश्यक है। यह जीवन का वह समय है जब सीखी गई बातें जीवनभर काम आती हैं। इसलिए विद्यार्थियों को इस अवस्था का सही उपयोग करते हुए अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर होना चाहिए।

16. सड़क सुरक्षा

सड़क सुरक्षा का अर्थ है यातायात के नियमों का पालन करते हुए सुरक्षित रूप से सड़क पर चलना। प्रतिदिन असावधानी के कारण अनेक सड़क दुर्घटनाएँ होती हैं, जिनमें कई लोगों की जान चली जाती है। हमें सड़क पार करते समय ज़ेब्रा क्रॉसिंग का प्रयोग करना चाहिए और यातायात संकेतों का पालन करना चाहिए। वाहन चलाते समय हेलमेट पहनना और गति सीमा का ध्यान रखना आवश्यक है। मोबाइल फोन का प्रयोग करते हुए वाहन चलाना अत्यंत खतरनाक है। स्कूलों में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाने चाहिए ताकि बच्चे बचपन से ही सुरक्षित आदतें सीखें।

17. जल ही जीवन है

जल हमारे जीवन का आधार है, क्योंकि इसके बिना किसी भी जीव का जीवित रहना असंभव है। हम पीने, खाना बनाने, नहाने और खेती करने के लिए जल का उपयोग करते हैं। परंतु आज पृथ्वी पर पीने योग्य जल की मात्रा तेज़ी से घट रही है। जल की बर्बादी रोकने के लिए हमें नल को समय पर बंद करना चाहिए और वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देना चाहिए। नदियों और तालाबों को प्रदूषण से बचाना भी हमारा कर्तव्य है। यदि हमने अभी से जल संरक्षण नहीं किया तो आने वाली पीढ़ियों को जल संकट का सामना करना पड़ेगा।

18. वृक्षारोपण

वृक्षारोपण का अर्थ है नए पेड़ लगाना, जो पर्यावरण संतुलन के लिए अत्यंत आवश्यक है। पेड़ हमें ऑक्सीजन, फल, लकड़ी और छाया प्रदान करते हैं तथा वायु प्रदूषण को कम करते हैं। बढ़ते हुए प्रदूषण और वनों की कटाई के कारण पर्यावरण को गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है। हमें प्रतिवर्ष अधिक से अधिक पेड़ लगाने चाहिए और उनकी देखभाल भी करनी चाहिए। स्कूलों और सामाजिक संगठनों को वृक्षारोपण अभियान चलाने चाहिए। एक पेड़ अनेक पीढ़ियों तक लाभ पहुँचा सकता है, इसलिए हमें इसे अपना कर्तव्य समझकर वृक्षारोपण करना चाहिए।

19. स्वच्छता अभियान

स्वच्छता अभियान का उद्देश्य हमारे आस-पास के वातावरण को साफ और स्वस्थ बनाना है। गंदगी के कारण अनेक बीमारियाँ फैलती हैं, इसलिए स्वच्छता बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। हमारी सरकार ने "स्वच्छ भारत अभियान" चलाकर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया है। हमें कूड़ा कूड़ेदान में डालना चाहिए और अपने घर, विद्यालय तथा आस-पड़ोस को स्वच्छ रखना चाहिए। स्वच्छता केवल सरकार की ही नहीं, बल्कि हर नागरिक की जिम्मेदारी है। स्वच्छ वातावरण में रहने से हमारा स्वास्थ्य अच्छा रहता है और मन भी प्रसन्न रहता है। हमें स्वच्छता को अपनी आदत बनानी चाहिए।

20. मेरा भारत महान

भारत एक विशाल और विविधताओं से भरा देश है, जहाँ अनेक धर्मों, भाषाओं और संस्कृतियों के लोग मिलजुल कर रहते हैं। यह हिमालय पर्वत, गंगा नदी और समुद्र तटों जैसी प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर है। भारत की सभ्यता विश्व की सबसे प्राचीन सभ्यताओं में से एक है। यहाँ के महान वैज्ञानिकों, स्वतंत्रता सेनानियों और संतों ने विश्व को नई राह दिखाई है। "अनेकता में एकता" भारत की सबसे बड़ी विशेषता है।

cbseclassworksheets.com

हमें अपने देश की संस्कृति और परंपराओं पर गर्व होना चाहिए और इसे और अधिक उन्नत बनाने में योगदान देना चाहिए।

21. गणतंत्र दिवस

भारत में गणतंत्र दिवस प्रतिवर्ष 26 जनवरी को मनाया जाता है, क्योंकि इसी दिन 1950 में भारत का संविधान लागू हुआ था। इस दिन नई दिल्ली में कर्तव्य पथ पर भव्य परेड का आयोजन होता है, जिसमें भारत की सैन्य शक्ति और सांस्कृतिक विविधता का प्रदर्शन किया जाता है। राष्ट्रपति तिरंगा फहराते हैं और राष्ट्रगान गाया जाता है। स्कूलों में भी झंडारोहण और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। यह दिन हमें संविधान निर्माताओं के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर देता है। हमें अपने संविधान का सम्मान करते हुए एक जिम्मेदार नागरिक बनना चाहिए।

22. होली का त्योहार

होली रंगों का त्योहार है, जो हिंदुओं द्वारा फाल्गुन मास में बड़े उत्साह से मनाया जाता है। इस त्योहार की पूर्व संध्या पर होलिका दहन किया जाता है, जो बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। अगले दिन लोग एक-दूसरे को रंग और गुलाल लगाकर खुशियाँ मनाते हैं तथा गुजिया जैसे पकवान बनाए जाते हैं। यह त्योहार आपसी भेदभाव मिटाकर सभी को प्रेम के रंग में रंग देता है। हमें होली प्राकृतिक रंगों और जल की बचत करते हुए मनानी चाहिए। यह पर्व हमें आपसी प्रेम और भाईचारे का संदेश देता है।

23. मोबाइल फोन के लाभ और हानि

आज के युग में मोबाइल फोन जीवन का अभिन्न अंग बन गया है। इसके द्वारा हम दूर बैठे लोगों से तुरंत संपर्क कर सकते हैं तथा पढ़ाई संबंधी जानकारी भी प्राप्त कर सकते हैं। परंतु इसका अत्यधिक प्रयोग हानिकारक भी है, क्योंकि इससे आँखों पर बुरा प्रभाव पड़ता है और पढ़ाई से ध्यान भटकता है। बच्चों को मोबाइल फोन का

cbseclassworksheets.com

प्रयोग सीमित समय के लिए और माता-पिता की देखरेख में करना चाहिए। हमें मोबाइल फोन का उपयोग केवल आवश्यक कार्यों के लिए ही करना चाहिए, ताकि इसके लाभ प्राप्त हों और हानि से बचा जा सके।

24. कंप्यूटर शिक्षा

आधुनिक युग में कंप्यूटर शिक्षा का महत्व बहुत बढ़ गया है। कंप्यूटर की सहायता से हम तेज़ी से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं, प्रोजेक्ट बना सकते हैं और नई-नई चीज़ें सीख सकते हैं। स्कूलों में कंप्यूटर शिक्षा दिए जाने से विद्यार्थी तकनीकी रूप से दक्ष बनते हैं, जो आगे चलकर उनके करियर में सहायक होता है। इंटरनेट के माध्यम से हम विश्वभर की जानकारी कुछ ही क्षणों में प्राप्त कर सकते हैं। हालांकि हमें कंप्यूटर का प्रयोग सही उद्देश्यों के लिए ही करना चाहिए। आज के युग में कंप्यूटर शिक्षा हर विद्यार्थी के लिए आवश्यक हो गई है।

25. प्रदूषण की समस्या

प्रदूषण आज विश्व की सबसे गंभीर समस्याओं में से एक है, जिसमें वायु, जल और ध्वनि प्रदूषण प्रमुख हैं। बढ़ते वाहन, कारखाने और वनों की कटाई प्रदूषण को बढ़ावा देते हैं। इसके कारण मनुष्यों में अनेक बीमारियाँ फैल रही हैं तथा पर्यावरण को गंभीर नुकसान हो रहा है। हमें अधिक से अधिक पेड़ लगाने चाहिए, वाहनों का उपयोग सीमित करना चाहिए और कूड़े का उचित निपटान करना चाहिए। सार्वजनिक परिवहन के प्रयोग को बढ़ावा देकर भी हम प्रदूषण कम कर सकते हैं। प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए हर नागरिक को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी।

26. व्यायाम के लाभ

नियमित व्यायाम करना हमारे शरीर और मन दोनों के लिए अत्यंत लाभकारी है। प्रतिदिन व्यायाम करने से शरीर स्वस्थ, फुर्तीला और रोगों से दूर रहता है। यह हमारी मांसपेशियों को मजबूत बनाता है और रक्त संचार को बेहतर करता है। व्यायाम करने

cbseclassworksheets.com

से मन प्रसन्न रहता है और तनाव कम होता है। सुबह टहलना, योग करना या खेलकूद में भाग लेना सभी व्यायाम के अच्छे रूप हैं। विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ प्रतिदिन कुछ समय व्यायाम के लिए भी निकालना चाहिए। स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का वास होता है, इसलिए हमें व्यायाम को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए।

27. आज्ञाकारिता

आज्ञाकारिता का अर्थ है बड़ों की बातों का सम्मानपूर्वक पालन करना। माता-पिता, शिक्षक और बड़े-बुजुर्ग हमेशा हमारी भलाई के लिए ही सलाह देते हैं। आज्ञाकारी बालक अपने घर, विद्यालय और समाज में सबका प्रिय बनता है। जो बच्चे बड़ों की बात मानते हैं, वे जीवन में अनुशासित और सफल होते हैं। आज्ञाकारिता का अर्थ आँख मूंदकर हर बात मान लेना नहीं, बल्कि सही सलाह को समझकर उसका पालन करना है। इससे परिवार और समाज में आपसी विश्वास तथा प्रेम बना रहता है। हमें अपने बड़ों की बातों को धैर्यपूर्वक सुनकर उनका सम्मान करना चाहिए और आज्ञाकारी बनना चाहिए।

28. समय की पाबंदी

समय की पाबंदी का अर्थ है हर कार्य को उसके निश्चित समय पर करना। जो व्यक्ति समय का पाबंद होता है, वह जीवन में सफलता प्राप्त करता है और सबका विश्वासपात्र बनता है। समय पर विद्यालय जाना, गृहकार्य पूरा करना और सोना-जागना अच्छी आदतें हैं। समय के पाबंद न होने से कार्य बिगड़ जाते हैं और अवसर हाथ से निकल जाते हैं। महान व्यक्तियों के जीवन में समय की पाबंदी एक महत्वपूर्ण गुण रहा है। हमें बचपन से ही समय पर कार्य करने की आदत डालनी चाहिए, क्योंकि यह आदत जीवनभर हमारे काम आती है और हमें अनुशासित बनाती है।

29. पेड़ों का महत्व

पेड़ हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं और हमें अनेक प्रकार से लाभ पहुँचाते हैं। पेड़ हमें शुद्ध ऑक्सीजन देते हैं, वायु प्रदूषण को कम करते हैं और वर्षा लाने में सहायक होते हैं। इनसे हमें फल, लकड़ी, दवाइयाँ और छाया प्राप्त होती है। पेड़ मिट्टी के कटाव को रोकते हैं और अनेक पशु-पक्षियों को आश्रय भी देते हैं। दुर्भाग्यवश आज बढ़ते शहरीकरण के कारण वनों की कटाई तेज़ी से हो रही है, जिससे पर्यावरण को गंभीर खतरा है। हमें अधिक से अधिक पेड़ लगाने चाहिए और वर्तमान पेड़ों की रक्षा करनी चाहिए, क्योंकि पेड़ों के बिना जीवन की कल्पना करना असंभव है।

30. जल की बचत

जल प्रकृति का अनमोल उपहार है, परंतु इसकी उपलब्ध मात्रा सीमित है। हमें प्रतिदिन के कार्यों में जल की बचत करने की आदत डालनी चाहिए। नल को खुला छोड़ने के बजाय आवश्यकता होने पर ही उपयोग करना चाहिए। बर्तन धोते, नहाते या ब्रश करते समय पानी की बर्बादी नहीं करनी चाहिए। वर्षा जल संचयन जैसी विधियाँ अपनाकर हम जल का संरक्षण कर सकते हैं। खेतों में सिंचाई के लिए बूँद-बूँद सिंचाई पद्धति का उपयोग जल बचाने में सहायक होता है। यदि हम आज जल की बचत नहीं करेंगे, तो आने वाली पीढ़ियों को जल संकट का सामना करना पड़ सकता है।

31. बिजली की बचत

बिजली आधुनिक जीवन की एक आवश्यक आवश्यकता बन गई है, परंतु इसका उत्पादन सीमित संसाधनों से होता है। हमें बिजली का उपयोग सोच-समझकर करना चाहिए ताकि इसकी बचत हो सके। कमरे से बाहर जाते समय पंखा और बत्ती बंद करना, दिन के समय प्राकृतिक रोशनी का उपयोग करना और ऊर्जा-दक्ष उपकरणों का प्रयोग करना बिजली बचाने के अच्छे उपाय हैं। बिजली की बचत से न केवल हमारे बिजली के बिल में कमी आती है, बल्कि पर्यावरण की भी रक्षा होती है। हमें अपने

cbseclassworksheets.com

घर और विद्यालय दोनों जगह बिजली का सावधानीपूर्वक उपयोग करने की आदत डालनी चाहिए।

32. स्वयंसेवा (घर और विद्यालय में)

स्वयंसेवा का अर्थ है बिना किसी स्वार्थ के दूसरों की सहायता के लिए स्वेच्छा से आगे आना। घर में छोटे-छोटे कार्यों में माता-पिता की सहायता करना, जैसे सफाई करना या छोटे भाई-बहनों की देखभाल करना, स्वयंसेवा का ही रूप है। विद्यालय में सहपाठियों की पढ़ाई में मदद करना, कार्यक्रमों के आयोजन में सहयोग देना या स्वच्छता अभियान में भाग लेना भी स्वयंसेवा है। इससे हमारे अंदर उत्तरदायित्व की भावना विकसित होती है और सहयोग करने की आदत बनती है। स्वयंसेवा करने से आत्मसंतोष मिलता है और समाज में अच्छे संबंध बनते हैं। हमें बचपन से ही स्वयंसेवा की भावना अपनानी चाहिए।

33. राष्ट्रीय खेल दिवस

भारत में राष्ट्रीय खेल दिवस प्रतिवर्ष 29 अगस्त को महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर मनाया जाता है। इस दिन देशभर के विद्यालयों और खेल संस्थानों में विभिन्न खेल प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाती हैं। इसका उद्देश्य युवाओं को खेलों के प्रति जागरूक करना और उन्हें खेल भावना अपनाने के लिए प्रेरित करना है। इस दिन उत्कृष्ट खिलाड़ियों को राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों से सम्मानित भी किया जाता है। खेल दिवस हमें यह सिखाता है कि पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद भी हमारे सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक है। हमें प्रतिदिन कुछ समय खेलकूद के लिए अवश्य निकालना चाहिए।

34. खेलकूद के लाभ

खेलकूद हमारे शारीरिक और मानसिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। खेलने से शरीर स्वस्थ और फुर्तीला बनता है तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। खेलकूद

हमें अनुशासन, टीम भावना, सहयोग और खेल भावना जैसे महत्वपूर्ण गुण सिखाते हैं। यह हार-जीत को सहजता से स्वीकार करना भी सिखाता है, जो जीवन में बहुत उपयोगी है। खेलने से मानसिक तनाव कम होता है और पढ़ाई में भी मन लगता है। विद्यार्थियों को केवल पढ़ाई पर ध्यान न देकर प्रतिदिन कुछ समय खेलकूद के लिए भी निकालना चाहिए, क्योंकि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है।

35. यातायात नियमों का पालन

यातायात नियमों का पालन करना हर नागरिक का कर्तव्य है, चाहे वह पैदल चल रहा हो या वाहन चला रहा हो। सड़क पार करते समय ज़ेब्रा क्रॉसिंग का प्रयोग करना, लाल बत्ती पर रुकना और निर्धारित गति सीमा का पालन करना आवश्यक है। वाहन चलाते समय हेलमेट या सीट बेल्ट पहनना तथा मोबाइल फोन का प्रयोग न करना दुर्घटनाओं से बचाता है। यातायात नियमों की अनदेखी करने से प्रतिवर्ष अनेक लोगों की जान चली जाती है। हमें बचपन से ही यातायात नियमों के प्रति जागरूक रहना चाहिए और दूसरों को भी इनका पालन करने हेतु प्रेरित करना चाहिए, ताकि सड़कें सभी के लिए सुरक्षित बन सकें।

36. महिला और महिला दिवस

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस प्रतिवर्ष 8 मार्च को महिलाओं के सम्मान और उनकी उपलब्धियों को याद करने के लिए मनाया जाता है। महिलाएँ समाज की रीढ़ हैं और उन्होंने शिक्षा, विज्ञान, खेल, राजनीति सहित हर क्षेत्र में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। एक माँ, बहन, बेटी और शिक्षिका के रूप में महिलाएँ परिवार और समाज को दिशा देती हैं। इस दिन विद्यालयों और संस्थानों में महिलाओं के अधिकारों और समानता के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। हमें महिलाओं का सम्मान करना चाहिए और उन्हें समान अवसर प्रदान करने चाहिए। महिला दिवस हमें यह सिखाता है कि नारी सशक्तिकरण से ही समाज उन्नति कर सकता है।

37. शिक्षक और शिक्षक दिवस

शिक्षक हमारे जीवन के निर्माता होते हैं, जो हमें ज्ञान के साथ-साथ अच्छे संस्कार भी देते हैं। भारत में शिक्षक दिवस प्रतिवर्ष 5 सितंबर को डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिन पर मनाया जाता है, जो स्वयं एक महान शिक्षक और भारत के राष्ट्रपति भी रहे। इस दिन विद्यालयों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं और विद्यार्थी अपने शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करते हैं। शिक्षक हमें कठिन विषयों को सरलता से समझाते हैं और जीवन में सही मार्ग दिखाते हैं। हमें अपने शिक्षकों का सम्मान करना चाहिए और उनके द्वारा दी गई शिक्षा को अपने जीवन में उतारना चाहिए। एक अच्छा शिक्षक ही राष्ट्र का निर्माता होता है।

38. मातृभाषा

मातृभाषा वह भाषा है जो हम अपने जन्म के बाद परिवार से सबसे पहले सीखते हैं। यह हमारी संस्कृति और पहचान से गहराई से जुड़ी होती है। मातृभाषा में सीखना और सोचना अधिक सरल और स्वाभाविक होता है, जिससे विचारों को समझने और व्यक्त करने में सहायता मिलती है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिवर्ष 21 फरवरी को अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाया जाता है, जो भाषाई विविधता के महत्व को दर्शाता है। हमें अपनी मातृभाषा पर गर्व होना चाहिए और उसे बोलने तथा सीखने में संकोच नहीं करना चाहिए। अन्य भाषाएँ सीखने के साथ-साथ हमें अपनी मातृभाषा का सम्मान करना और उसे संरक्षित रखना भी आवश्यक है।

cbseclassworksheets.com